बिहार विधान-सभा वादवृद

(भाग-१ कार्यवाही-प्रश्नोत्तर)।

शनिवार, तिथि २० मार्च, १९७६

विषय-सूची

		पृष्ठ
प्रश्न की व्यवस्था के सम्बन्ध में चर्चा	....	१
प्रश्न के मौखिक उत्तर :—		
अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर संख्या :	४, ५ एवं ७....	१–१०
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या :	१२७, १२८, १२९, १३०, १३१, १३२, १३३, १३४, १३५, १३६, १३८, १३९, १४१, १४२, १४३, १४५ १४७, १४९, १५०, १५१, १५२, १५३, १५४, १५५, १५६, १५७, १५८, १६०, १६१, १६३, १६४, १६७, १७१, १७२, १७३, १७४, १७६, १७९, १८०, १८२, १८३, १८८ १८९, १९०, १९२, १९३, १९४, १९५, १९६, १९७, १९९, २०२, २०३. २०४, २०६. २०७, २०८, २१०, २११, २१३, २१४, २१६, २१७, २१८, २१९, २२०, २२५, २२७, २२८, २३१, २३५. २३७, २३८, २४०, २४१, २४२, २४३, २४६ एवं २४७।	१०–८३
परिशिष्ट-१ (प्रश्नों के लिखित उत्तर) :—	....	८४–८५
परिशिष्ट-२ (जाँच-प्रतिवेदन) :—	....	–८६
दैनिक निबन्ध	....	८७–९०

टिप्पणी :—जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है उनके नाम के आगे ऐसा (*) चिह्न लगा दिया गया है।

सड़क एवं पुलिया सरकार कब तक बनाने का विचार करती है, यदि नहीं तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग—मुंगेर जिला के चैवाढ़ा सिरारी ग्रामीण सड़क है जिसकी लम्बाई ४ मील १ फर्लांग है। यह कच्ची सड़क है तथा इसकी कोई योजना स्वीकृत नहीं है।

इस सड़क के पक्कीकरण में चार लाख रु० व्यय होगा जो अर्थाभाव के कारण संभव नहीं है।

मुखिया पद से निष्कासन।

१५७। श्री सुरजदेव सिंह—क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि गया जिला के गेरे ग्राम पंचायत के मुखिया श्री गोपाल सिंह के विरुद्ध अपने पद का दुरुपयोग करने का अभियोग साबित हो गया है;

(२) क्या यह बात सही है कि मुखिया श्री गोपाल सिंह को बिहार पंचायती राज अधिनियम, १९४७ की धारा १३ (२) के अन्तर्गत निष्कासन के लिये विधि विभाग को राय लेकर अंतिम आदेश हो चुका है;

(३) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो उनके निष्कासन आदेश से संबंधित अधिसूचना प्रकाशित करने में विलम्ब का क्या कारण है ?

प्रभारी मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग—(१) इनके विरुद्ध कदाचार तथा कर्त्तव्योपेक्षा के आरोप प्रमाणित हुए हैं।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) उक्त निष्कासन आदेश विभागीय अधिसूचना संख्या १४८४, दिनांक १६-२-१९७६ द्वारा निर्गत किया जा चुका है।